"दृष्टिहीन विद्यार्थियों के समेकन का अध्ययन"

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

की

"मास्टर ऑफ एज्यूकेशन"

उपाधि परीक्षा

D - 126

1999 - 2000

C

लघु शोध-प्रबन्ध

निर्देशक

डॉ. आर. बी. एल. सोनी

डॉ. आय. डी. गुप्ता

प्रवाचक, शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

शोधकर्ता

कुमारी माधवी चवरे

एम.एड. (छात्रा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (NCERT) भोपाल

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **कु० माधवी चवरे** जो कि क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान,भोपाल मे एम0एड0 की नियमित छात्र है । बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित सन् 1999–2000 की एम0एड0 (प्रारभिक शिक्षा) उपाधि की आशिक सम्पूर्ति हेतु **''दृष्टिहीन विद्यार्थियों कि समेकन का अध्ययन''** विषय पर शोध कार्य मेरे मार्गदर्शन मे पूर्ण किया । यह शोध कार्य पूर्ण रुप से मौलिक प्रयास है,जो पूर्व मे इस आशय से विश्वविद्यालय मे प्रस्तुत नही किया गया है । यह शोध कार्य पूर्ण निष्ठा एव लगन से किया है ।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

स्थान- भोपाल

दिनाँक 24-4-2000

प्रथम निर्देशक

डॉ आर.बी.एल. सोनी

दिनाक– 03/02/2000 तक

निर्देशक

डॉ. आय. डी. गुप्ता

प्रवाचक,शिक्षा–विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान, भोपाल

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए सर्वप्रथम मै अपने **प्रथम निर्देशक डॉ० आर०बी०एल०सोनी जी** की कृतज्ञ हूँ । जिन्होने मुझे इस शोध के लिए निर्देशित किया तथा मेरे मनोबल को बढाकर प्रगति की ओर अग्रसर किया । मेरी कठिनाईयो को समझतेहुए इस शोध कार्य मे मार्गदर्शन दिया । अत मे उन्हे कोटी–कोटी धन्यवाद देती हूँ ।

सयोगवश **श्रीमान आर०बी०एल०सोनी** जी की पदोन्नति तथा स्थानातरण हो जाने के कारण मेरे इस शोध कार्य के लिए डॉ0श्री आय0डी0गुप्ता जी निर्देशक नियुक्त हुए ।

प्रस्तुत शोध कार्य पूर्णता के लिए मै अपने निर्देशक **डॉ०श्री आय०डी० गुप्ता जी** की कृतघ्न हूँ जिन्होने अत्यधिक व्यस्तता के पश्चात भी सोहाद्रपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयो का निराकरण किया तथा इस शोध–कार्य को पूर्ण करने मे सहयोग दिया । यह शोध कार्य आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है ।

मै आदरणीय **प्राचार्य श्री जी०के० लहरी जी** एव **श्रीएम०सेन०गुप्ता, श्री ए०सी०पचौरी, डॉ०श्री आर०बी०सोनी**,तथा **डॉ०श्री आय०डी० गुप्ता**,और सभी गुरूजनो के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ । जिन्होने प्रोत्साहन एव मार्गदर्शन देकर इस शोध कार्य को सपन्न करने मे पूर्ण सहयोग प्रदान किया है ।

मै पुस्तकालध्यक्ष श्री पीटर तथा समस्त पुस्तकालय सदस्यो के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ ।

मै शा बालक माध्यमिक विद्यालय,भेल भोपाल के **प्राचार्य श्री पी०व्ही०मालवीय** तथा सभी शिक्षक / शिक्षिकाओ का इस शोध–कार्य मे दिए गये सहयोग के लिए हृदय से आभारी हूँ ।

मै अपनी सहपाठी रूचि सक्सेना तथा सभी साथियो को धन्यवाद देती हूँ ।

अत मैं अपने माता–पिता तथा भाई बहिन की सदैव ऋणी रहूँगी ,जिन्होने मुझे इस कार्य को करने के लिए तन मन धन से सहयोग किया एव मेरा मनोबल बढाया ।

स्थान भोपाल

दिनाँक 24-4-2000

शोध कर्ता

madhavi

कु० माधवी चवरे

एम०एड०(छात्रा)

क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान

भोपाल (म०प्र०)

अनुक्रमणिका

अध्याय प्रथम	प्रस्तावना भूमिका पूर्वशोध
अध्याय द्वितीय	शोध समस्या समस्या कथन शोध उददेश्य शोध प्रश्न शोध चर चर परिभाषाएँ शोध परिकल्पनाए शोध सीमाएँ शोध महत्व
अध्याय तृतीय	शोध–विधियाँ प्रतिदर्श उपकरण पूर्व गामी परीक्षण प्रदत सकलन
अध्याय चतुर्थ	प्रदत विश्लेषण दृष्टिहीनविद्यार्थी सामान्य विद्यार्थी अवलोकन शिक्षक प्रधानाचार्य
अध्याय पचम	सार एव निष्कर्ष सदर्भ–ग्रथ परिशिष्ट